नेपा कागज मिल

७२७. श्रीमती गंगा देवी : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नेपा मिल के लिये रासायनिक गूदे के आयात के विषय में अब तक क्या प्रगति हुई है;

(ख) इस पर कितनी विदेशी मुद्रा व्यय की गई; और

(ग) भारत में रासायनिक गूदे के निर्माण के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) और (ख). जनवरी १९५६ के बाद से मिल ने आयात की हुई रासायनिक लुग्दी का प्रयोग करना बन्द कर दिया ।

(ग) रासायनिक लुग्दी बनाने का काम निजी क्षेत्र के लिये छोड़ दिया गया है । जो लोग इसे बनाना चाहते हैं उन्हें संयंत्र और मशीनों का आयात करने के लिये तथा इमारतें बनाने का सामान व औद्योगिक कच्चा माल प्राप्त करने में सरकार सभी उचित सुविधायें प्रदान करती है ।

नाप तथा तोल की मीट्रिक प्रणाली

७२८. श्री राजा राम मिश्र : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नये बाट और पैमाने तैयार कराने के लिये क्या प्रबन्ध किया जा रहा है; और

(ख) क्या प्रत्येक व्यक्ति को इन्हें तैयार करने की अनुमति होगी ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) नये बाटो के प्रतिमान अन्तिम रूप से तैयार कर लिये गये है और प्रकाशित कर दिये गये हैं । लम्बाई और तरल पदार्थ नापने के पैमानों के प्रारूप प्रतिमान जनता की राय जानने के लिए प्रसारित कर दिये गये हैं । इन बाट और पैमानों के बनाने वालों की एक अस्थायी सूची तैयार कर ली गयी है और राज्य सरकारों के पास भेज दी गयी है । उनकी रायों को ध्यान में रखते हुए यह सूची अन्तिम रूप से तैयार की जाएगी । राज्य सरकारों को सलाह दी जाएगी कि वे बाट और पैमाने लागू करने के राज्यीय अधिनियमों के अधीन लाइसेंस देने के लिए निर्माताओं को इसी सूची में से छांटें । बाट और पैमानों को सरकारी शस्त्रास्त्र कारखानो मे भी बनाया जाएगा ।

(ख) जी हां; बशर्ते कि सम्बन्धित राज्य सरकारों से इसके लिए लाइसेंस ले लें ।

नेपा कागज मिल

७२९. श्री राजा राम मिश्र : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि नेपा कागज मिल पर अब तक कुल कितना व्यय हुआ है और उसका ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : चूंकि यह मिल केन्द्रीय सरकार के सीधे नियंत्रण में नही है इसलिये केन्द्रीय सरकार को यह ज्ञात नही है कि इस पर कितना व्यय हुआ है । पर उसने इस मिल को दिये जाने के लिए (लगभग) २८३ रु० का ऋण मध्य प्रदेश सरकार को दिया है ।

गन्ने की खोई से समाचारपत्र का कागज

७३०. श्री राम सहाय तिवारी : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश और बिहार के चीनी मिल क्षेत्रों में उपलब्ध गन्ने की खोई से समाचार पत्र के कागज के निर्माण की सम्भावनाओं की जांच की है;